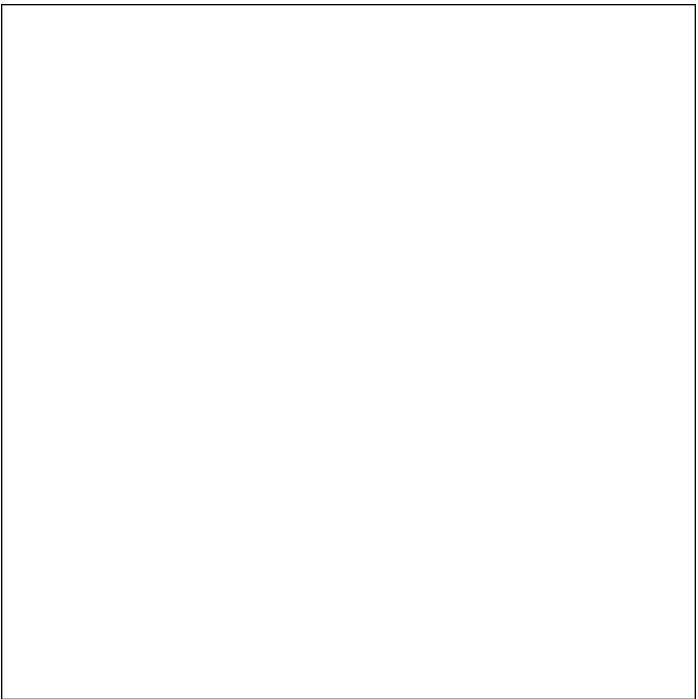




(imageless edition)

✎ Ursula Nafua
🔒 Vusi Malindi
📄 Nandani
😊 Hindi
📖 Level 2



दिया



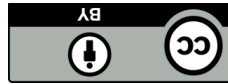
Storybooks Mauritius

global-asp.github.io/storybooks-mauritius

दिया

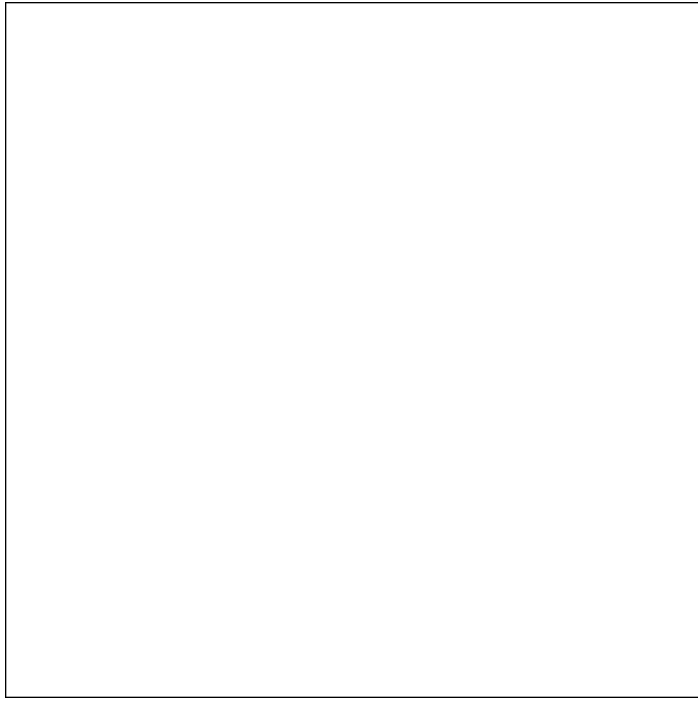
Written by: Ursula Nafua
Illustrated by: Vusi Malindi
Translated by: Nandani

This story originates from the African Storybook (africanstorybook.org) and is brought to you by Storybooks Mauritius in an effort to provide children's stories in Mauritius's many languages.

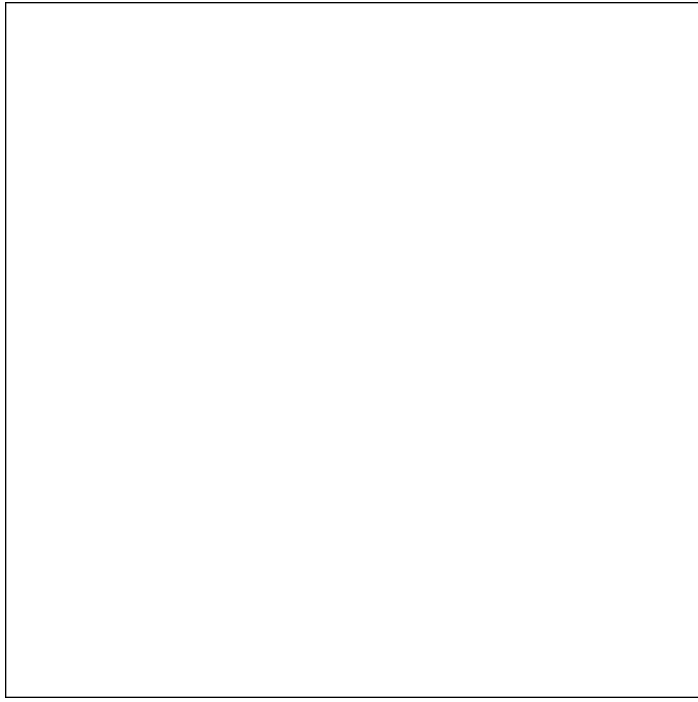


This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

<https://creativecommons.org/licenses/by/4.0>



मेरे गाँव में बहुत सारी समस्याएँ थीं। हमें नल से पानी लेने के लिए बहुत लंबी पंक्ति में खड़ा होना पड़ता था।

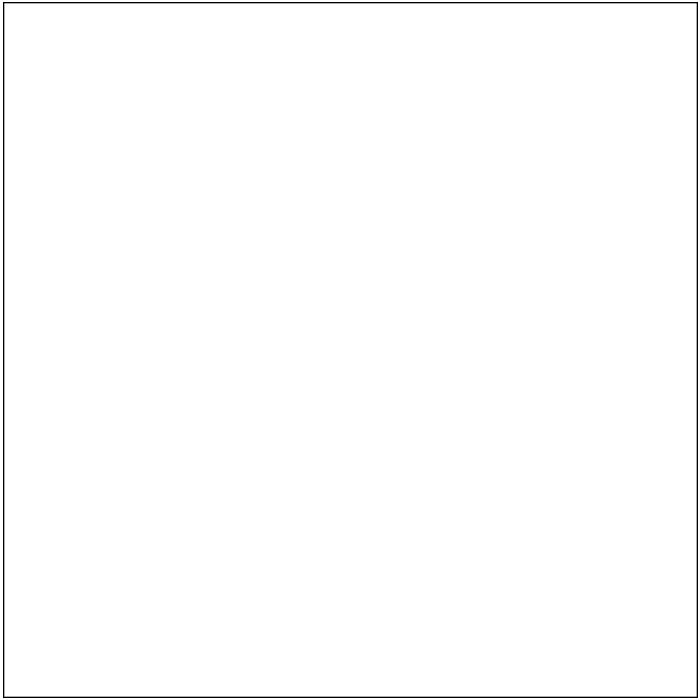


चोरों के कारण हमें अपने घर जल्दी बंद करने पड़ते थे।

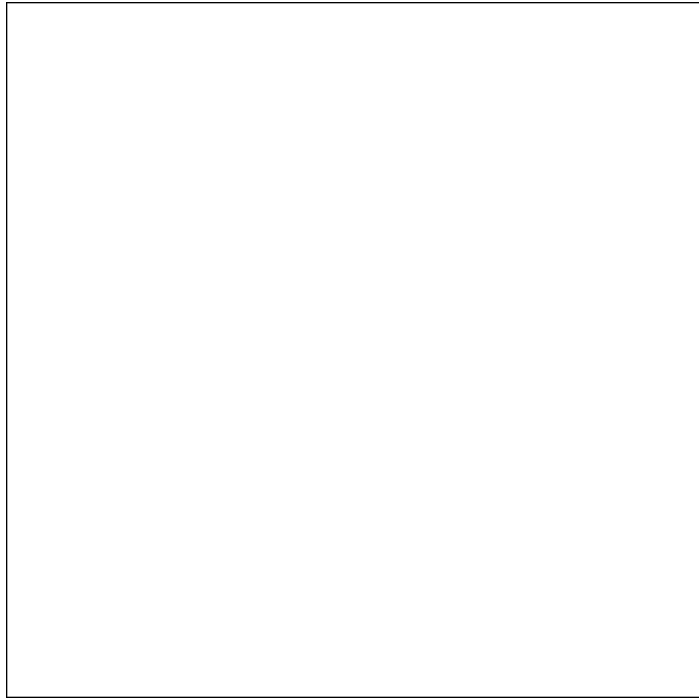


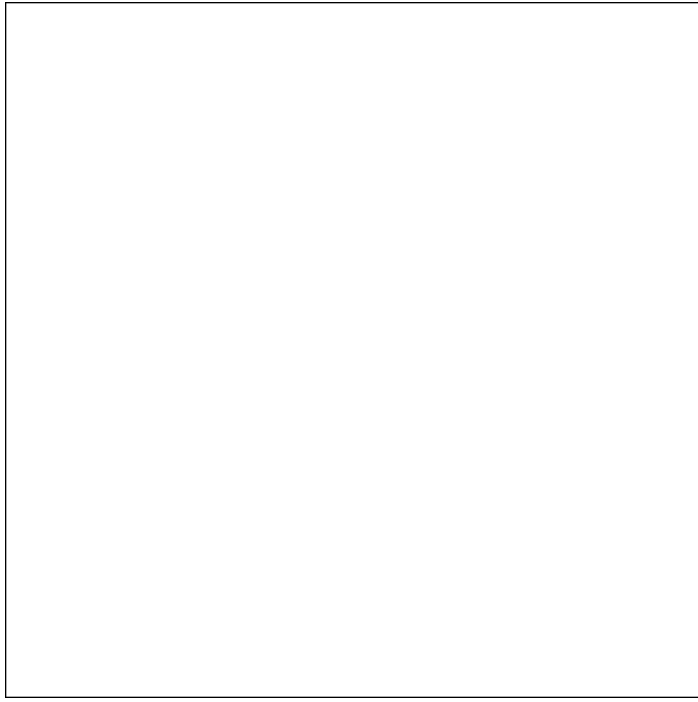
हमने साथ मिलकर एक स्वर में ज़ोर से कहा “हम अपनी ज़िदगी ज़रूर बदलेंगे”। उस दिन से हम अपनी समस्याओं को हल करने के लिए साथ काम करते हैं।

बहुत से बच्चों ने बीच में ही विद्यालय छोड़ दिया।

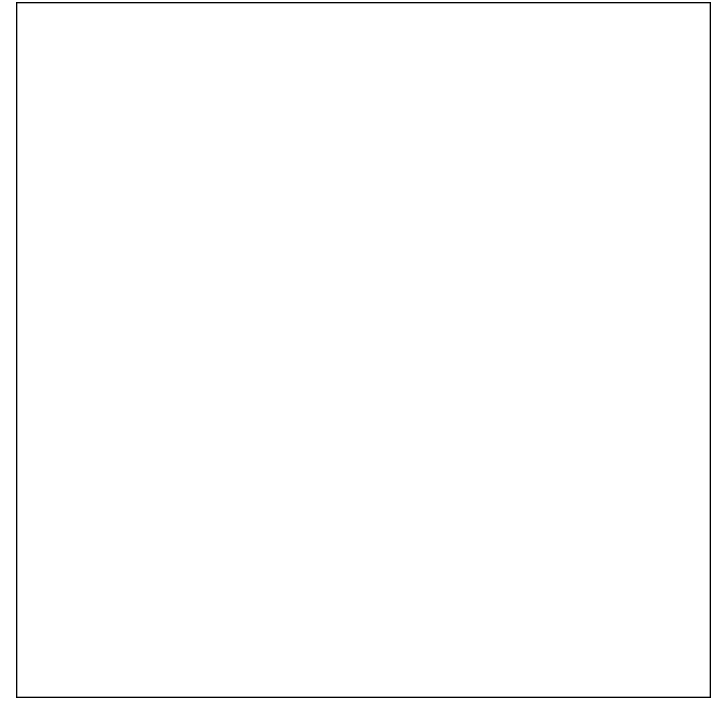


एक और आदमी खड़ा हुआ और बोला "आदमी
मुझे, "बच्चा" और मैं।"

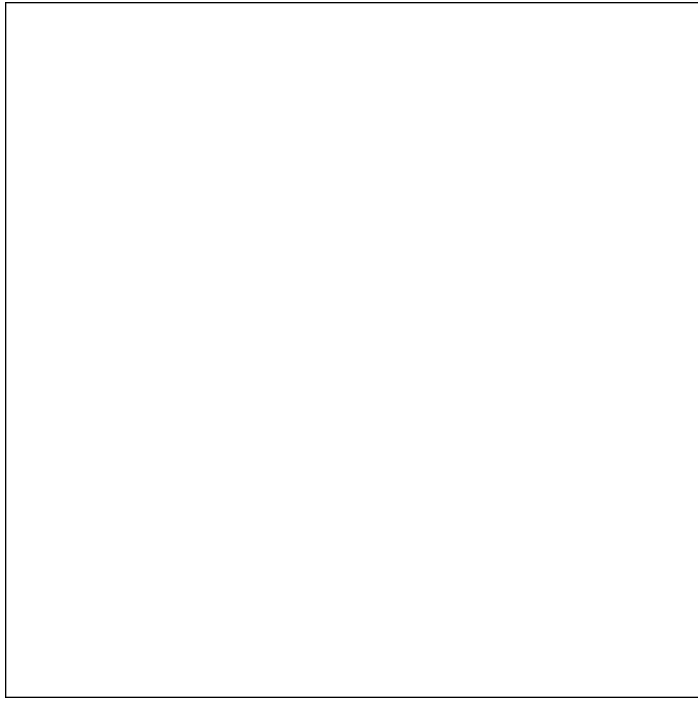




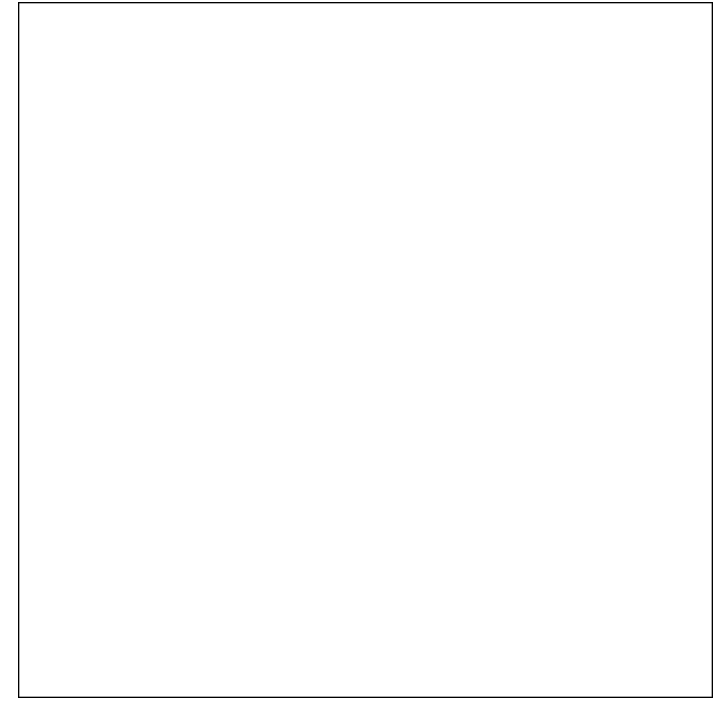
कम उम्र की लड़कियाँ दूसरे गाँव में नौकरानी का काम करती थीं।



एक महिला ने कहा “महिलाएँ मेरे साथ मिलकर फ़सल उगा सकती हैं”।

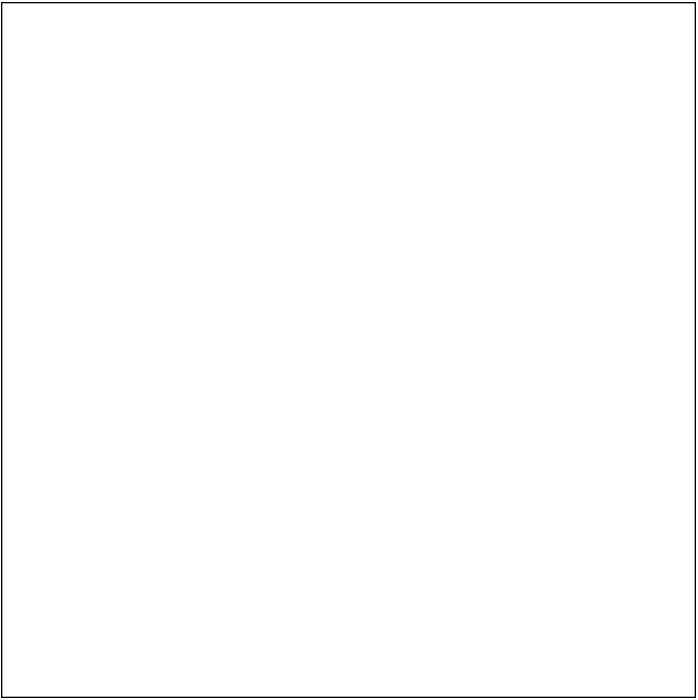


जब हवा चलती तो बेकार पड़े कागज़, पेड़ों और बाड़ों से लटक जाते थे।

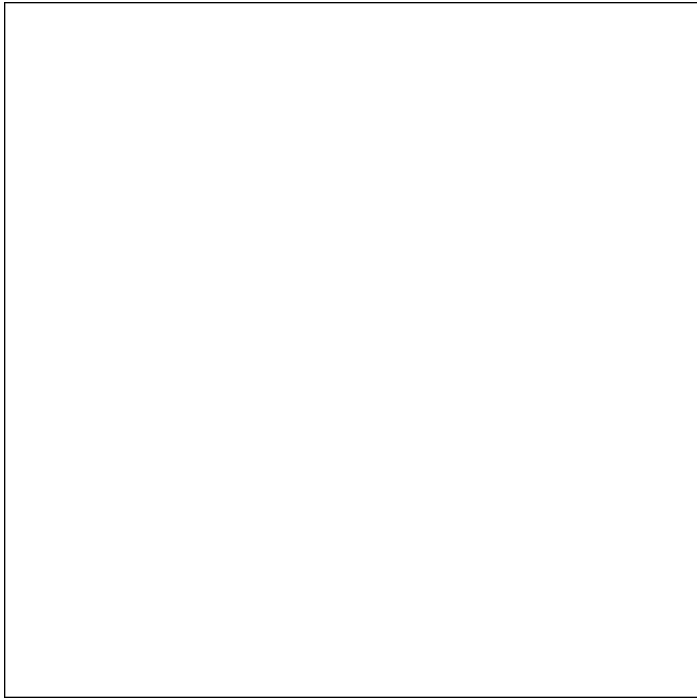


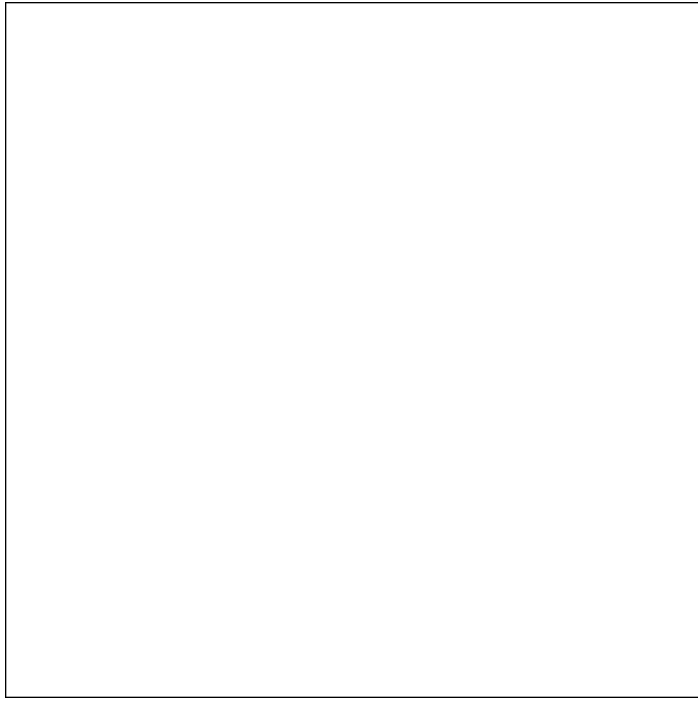
मेरे पिता ने खड़े होकर कहा “हमारी समस्याओं को सुलझाने के लिए हमें साथ मिलकर काम करना होगा” ।

असुखधरणी से रिके गण कक से प्रभाषासह
वपल हे जते थे।

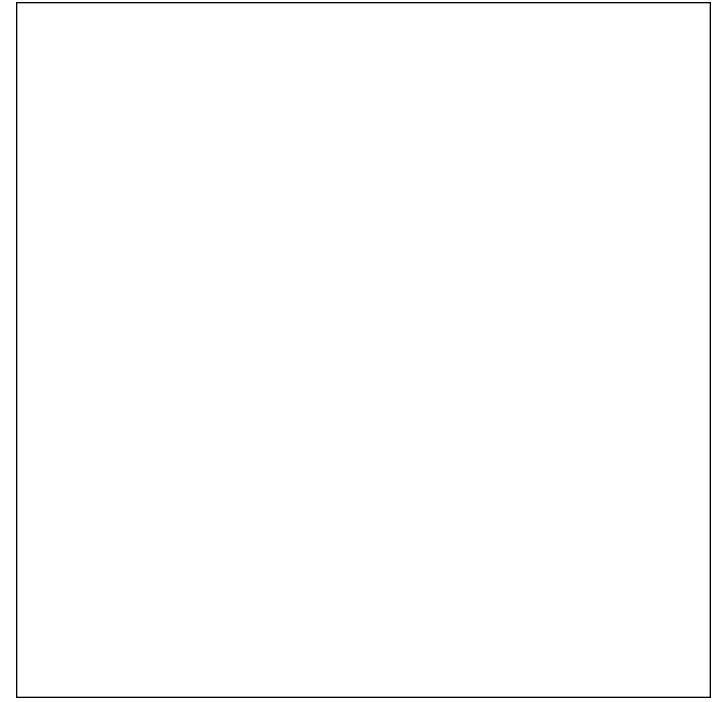


एक बंद पेठ के नीचे लीग डकडे गण वपु क
सिना।





फिर एक दिने, नल सूख गये और हमारे बर्तन खाली रह गए।



मेरे पिता ने घर-घर जाकर लोगों से विनिती की कि वो गाँव की बैठक में आएँ।